No. of Printed Pages : 4 **BHMCT–103**

B. A. (HONS.) (PERFORMING ARTS)

HINDUSTANI MUSIC

(BAPFHMH)

Term-End Examination

June, 2025

BHMCT-103 : FUNDAMENTALS OF HINDUSTANI MUSIC

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *PPlease adhere strictly to the word limit.*

Note : *Answer any* ***ten*** *questions (within* ***500*** *words).* *10×10=100*

1. Give a brief life sketch of Pt. Vishnu Digambar Paluskar highlighting his contributions to Indian Classical Music.
2. Describe the Raga-Ragini classification prevalent during the medieval period in India.
3. Explain the *ten* characteristics of Jati.

4. Throw light on the Raganga classification of Ragas propounded by Narayan Moreshwar Khare.
5. Give a critical analysis about the content of the treatise 'Sangeet Parijaat'.
6. Discuss in detail about books written by Earnest Clements on Indian Music and his understanding of Indian Music.
7. Describe the experiment 'Sarana Chatushtay' carried out by Bharata and the purpose behind it.
8. Explain the Madhyam Gramin Shruti-Swar division by Bharata and the Moorchhanas of Madhyama Grama.
9. Describe in detail why Bilawal was established as the Shuddha scale in Hindustani Classical Music.
10. Explain the Ragangas–Bhairav and Bilawal.
11. Explain the *ten* types of Raga classification by Pt. Sharangdeva.
12. Write in brief the detail of any Raga from your syllabus and write the notation of its 'Sargam Geet'.

BHMCT–103

बी. ए. (ऑनर्स) (प्रदर्शन कला) हिन्दुस्तानी संगीत

(बी. ए. पी. एफ. एच. एम. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एच.एम.सी.टी.-103 : हिन्दुस्तानी संगीत के मूलभूत तत्व

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कृपया अपने उत्तर शब्द-सीमा के अन्दर सीमित रखिए।*

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर **500** शब्दों के अन्तर्गत लिखिए।* 10×10=100

1. भारतीय संगीत में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर के विस्तृत जीवन का परिचय दीजिए।
2. मध्यकालीन युग में प्रचलित 'राग-रागिनी' वर्गीकरण का विस्तृत विवरण दीजिए।
3. 'जाति' के **दस** लक्षण की व्याख्या कीजिए।

4. नारायण मोरेश्वर खरे द्वारा रागों की रागांग वर्गीकरण पद्धति पर आलोकपात कीजिए।

5. 'संगीत पारिजात' ग्रन्थ की सामग्री पर विस्तृत विश्लेषण दीजिए।

6. अर्नेस्ट क्लीमेंट्स की भारतीय संगीत सम्बन्धी धारणाओं को व्यक्त करते हुए उनके द्वारा लिखी गई संगीत की पुस्तकों पर चर्चा कीजिए।

7. भरत द्वारा की गई 'सारणा चतुष्टय' को समझाइए तथा इस प्रयोग के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

8. भरत द्वारा बताई गई मध्यम ग्रामीण श्रुति स्वर व्यवस्था तथा मध्यम ग्रामीण मूर्च्छना को समझाकर लिखिए।

9. 'बिलावल' को हिन्दुस्तानी संगीत में शुद्ध सप्तक की मान्यता कब और कैसे प्राप्त हुई, विस्तार से बताइए।

10. 'भैरव' और 'बिलावल' रागांग की व्याख्या कीजिए।

11. शारंगदेव द्वारा बताए गए दशविध राग वर्गीकरण की व्याख्या कीजिए।

12. अपने पाठ्यक्रम के किसी भी एक राग का संक्षिप्त विवरण दीजिए और उसके 'सरगम गीत' की स्वरलिपि लिखिए।

× × × × ×